लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

YOUTH MUST EMBRACE ANCIENT SPIRITUAL WISDOM AND CULTURE WHILE PURSUING MODERN IDEAS: LOK SABHA SPEAKER/आधुनिक विचारों का अनुसरण करते हुए युवाओं को प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान और संस्कृति को अपनाना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

...

ENTIRE WORLD LOOKS TOWARDS INDIA FOR SOLUTIONS TO EMERGING CHALLENGES: LOK SABHA SPEAKER/सम्पूर्ण विश्व उभरती चुनौतियों के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

...

WITH INNOVATIVE THINKING AND NEW IDEAS, NATION IS MOVING AHEAD ON PATH OF ATMA NIRBHAR BHARAT: LOK SABHA SPEAKER/नई सोच और नए विचारों के साथ, राष्ट्र आत्मा निर्भार भारत के पथ पर आगे बढ़ रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

...

LEGISLATIVE BODIES ARE WORKING TOWARDS CHANGING COLONIAL LAWS AND LEGACIES: LOK SABHA SPEAKER/विधायी निकाय औपनिवेशिक कानूनों और विरासतों को बदलने की दिशा में कार्य कर रहे हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER SHRI OM BIRLA ADDRESSES CONVOCATION CEREMONY OF SRM UNIVERSITY IN CHENNAI/लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने चेन्नई में एसआरएम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

...

Chennai 10 November 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed the Convocation Ceremony of SRM Institute of Science and Technology in Chennai today.

Addressing the teachers and students, Shri Birla observed that learning is a lifelong process that continually expands the intellect. He was happy to note that with innovative thinking and new ideas, our youth are moving ahead on the path of Atma Nirbhar Bharat. Shri Birla stressed that the youth are instrumental in bringing social, economic or political changes.

Referring to Azadi ka Amrit Mahotsav, Shri Birla recalled that in 75 years of Independence many important socio-economic transformations have taken place in the country. Shri Birla expressed hope that in the coming times, the youth would play an important role in bringing about socio-economic changes and help build a new India. He added in this Amrit Kaal it should be our vision that India will lead the world as a developed country on completion of one hundred years of independence as envisioned by Prime Minister Shri Narendra Modi.

Shri Birla suggested that the youth must embrace our ancient spiritual wisdom and culture while pursuing modern ideas. Shri Birla noted that owing to the intellectual and innovative potential of Indian youth and their scientific and technical knowledge, the entire world looks towards India for solutions to emerging challenges. He said that climate change is an issue of global concern and India would guide the world in dealing with the issues emerging out of it. He hoped that Indian youth would play a major role in fulfilling this resolution.

Observing that the world looks towards India and its youth for transformation, Shri Birla exhorted youth to engage in the legislative-political process as democracy calls for peoples' participation and cooperation by all. He added that laws and policies improve with active participation of all stakeholders, leading to better Governance and policies. Observing that debate and discussions are an integral part of democracy, Shri Birla said that active deliberations lead to betterment of the society and it is upto the youth, to find effective solutions for the welfare of the

society that would lead to the emergence of a New India. He added that the youth must share their inputs, research, innovations, and ideas with legislators, to ensure that their point of view is articulated in democratic institutions.

Shri Birla noted with satisfaction that legislative bodies have been working towards changing colonial laws and legacies and replacing them new laws in line with the peoples' hopes and aspirations.

Exhorting the youth to lead the world in finding the solution to every challenge, Shri Birla said that the world has its hopes pinned on them because they have the capability to work untiringly to fulfill not only their own objectives but also to realize the hopes and dreams of the world at large through hard work and innovation.

Shri Birla thanked Lok Sabha MP and founder of SRM University Dr. T.R. Paarivendhar for having envisioned a world class educational institution. He congratulated the students who obtained their degree and appreciated the clean and green Campus of the University.

चेन्नई 10 नवंबर 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज चेन्नई में एसआरएम विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

शिक्षकों और छात्रों को संबोधित करते हुए , श्री बिरला ने कहा कि शिक्षा एक आजीवन प्रक्रिया है जो लगातार बौद्धिक विस्तार का रास्ता है। उन्होंने प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि नवीन सोच और नवाचारों के के बल पर , युवा आत्म निर्भर भारत के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। श्री बिरला ने जोर देकर कहा कि सामाजिक, आर्थिक या राजनीतिक परिवर्तन लाने में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आजादी का अमृत महोत्सव का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि आजादी के 75 साल में देश में कई महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक बदलाव हुए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में युवा सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और एक नए भारत के निर्माण में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि इस अमृत काल में हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि प्रधान मंत्री श्री

नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुसार स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने पर भारत एक विकसित देश के रूप में दुनिया का नेतृत्व करेगा।

श्री बिरला ने सुझाया कि युवाओं को आधुनिक विचारों का अनुसरण करते हुए भारत के प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान और संस्कृति को अपनाना चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि भारतीय युवाओं की बौद्धिक क्षमता तथा उनके वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान के कारण, पूरी दुनिया उभरती चुनौतियों के समाधान के लिए भारत की ओर देख रही है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन वैश्विक चिंता का विषय है और भारत इससे उठने वाली समस्याओं से निपटने में दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारतीय युवा इस संकल्प को पूरा करने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

यह देखते हुए कि सम्पूर्ण विश्व परिवर्तन के लिए भारत और उसके युवाओं की ओर देख रही है , श्री बिरला ने युवाओं को विधायी-राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने का आह्वान किया क्योंकि लोकतंत्र लोगों की भागीदारी और सभी के सहयोग से बनता है। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी से कानूनों और नीतियों में सुधार होता है, जिससे बेहतर शासन और नीतियां बनती हैं। बहस और चर्चा लोकतंत्र का एक अभिन्न अंग बताते हुए श्री बिरला ने कहा कि सक्रिय विचार-विमर्श से समाज की बेहतरी होती है और यह युवाओं पर निर्भर है कि समाज कल्याण के लिए प्रभावी समाधान खोजें जिससे एक नए भारत का उदय हो। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने इनपुट, शोध, नवाचार और विचारों को अपने चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ साझा करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लोकतांत्रिक संस्थानों में उनकी बात रखी जाए।

श्री बिरला ने संतोष के साथ नोट किया कि विधायी निकाय औपनिवेशिक कानूनों और विरासतों को बदलने और लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप नए कानूनों को बदलने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

युवाओं को हर चुनौती का समाधान खोजने में दुनिया का नेतृत्व करने का आह्वान करते हुए श्री बिरला ने कहा कि विश्व की आशायें उन पर टिकी हैं क्योंकि उनमें न केवल अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए बल्कि कड़ी मेहनत और नवाचार के माध्यम से दुनिया भर में बड़े पैमाने पर आशाओं और सपनों को साकार करने के लिए अथक परिश्रम करने की क्षमता है।

श्री बिरला ने लोक सभा सांसद और एसआरएम विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. टी.आर. पारिवेन्धर को एक विश्व स्तरीय शैक्षणिक संस्थान की स्थापना करने के लिए धन्यवाद् दिया। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई दी और विश्वविद्यालय के स्वच्छ और हरित परिसर की सराहना की।